आकाश में हैरिएट मासी का रेलमार्ग



लेखन व चित्रः फेथ रिंग्गोल्ड, भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा





आकाश में हैरिएट मासी का रेलमार्ग

लेखन व चित्रः फेथ रिंग्गोल्ड

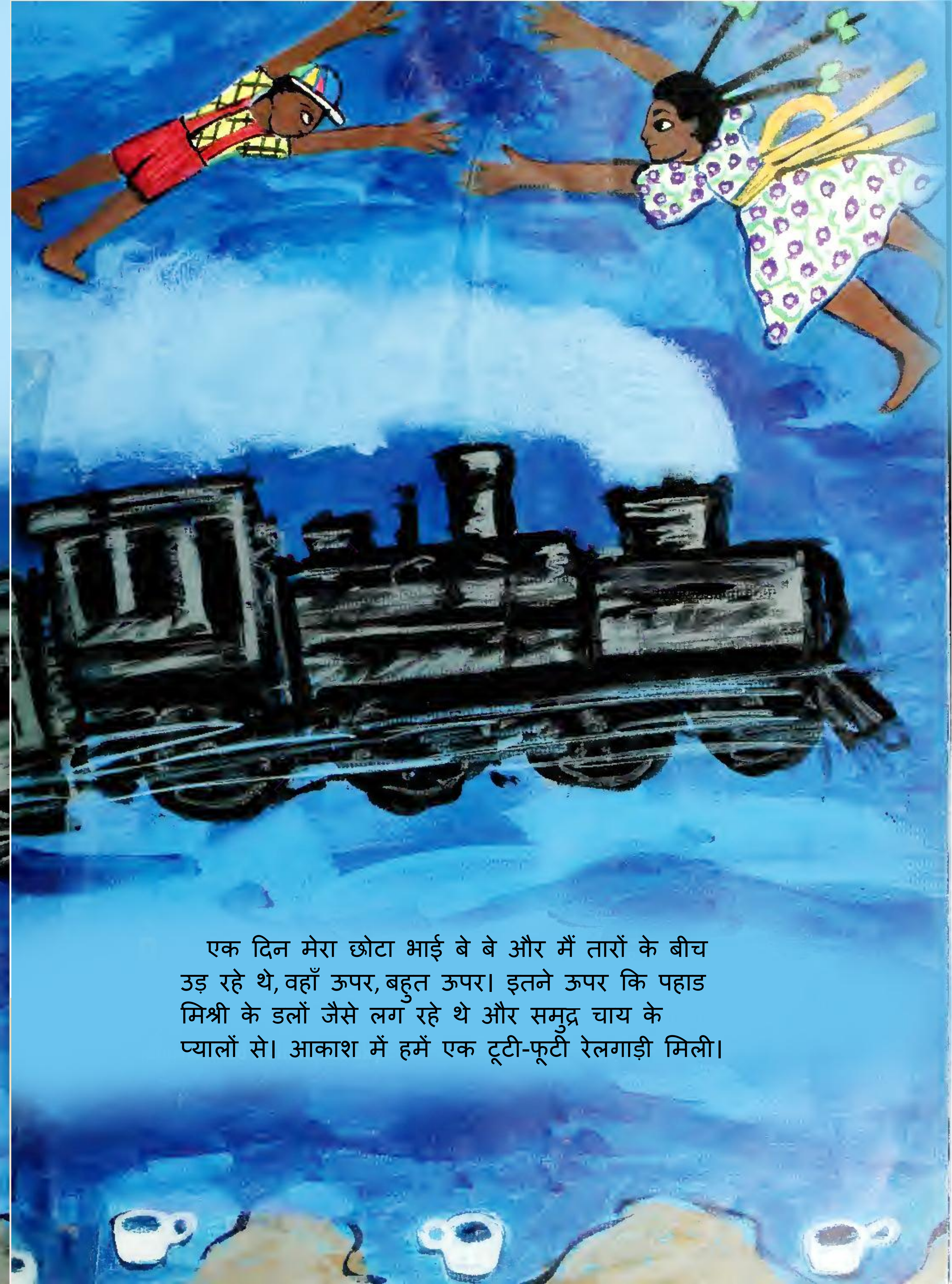
भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

Crown Publishers, Inc. · New York

यह क़िताब मेरी बड़ी बहन बारबरा नाइट को समर्पित है। वे कभी किसी चीज़ से नहीं डरती थीं। वे अब जीवित नहीं हैं, पर उनकी आत्मा जीवित है। मैं कहीं भी उनके पीछे आँखें मूंद चली जाया करती थी, इस डर से कि कहीं मुझे उनके बिना घर न लौटना पड़े।

मेरी बेटी बारबरा वॉलेस को, हैरिएट टबमैन पर शोध के लिए शुक्रिया। क्राउन में मेरी प्रकाशक जैनेट शूलमैन का आभार, जिन्होंने दूसरी क़िताब के लिए हैरिएट टबमैन का नाम सुझाया। ठीक यही तो मैं करना चाहती थी। साइमन ब्राउन, मेरे सम्पादक को इस विश्वास के लिए शुक्रिया कि यह क़िताब उड़ सकेगी।





एक दिन मेरा छोटा भाई बे बे और मैं तारों के बीच उड़ रहे थे, वहाँ ऊपर, बहुत ऊपर। इतने ऊपर कि पहाड मिश्री के डलों जैसे लग रहे थे और समुद्र चाय के प्यालों से। आकाश में हमें एक टूटी-फूटी रेलगाड़ी मिली।



एक ठिगने कद की महिला, कन्डक्टर की वर्दी पहने रेलगाड़ी की सीढ़ियों पर आई। उसने सफ़र के दौरान आने वाले स्टेशनों का ऐलान किया। "सभी सवारियाँ जो मेरीलैण्ड, डेलवेयर, पैन्सिलवेनिया, न्यू जर्सी, न्यू यॉर्क, नियाग्रा फ़ॉल्स, कनाडा, जाना चाहती हों, चढ़ जाएं! सभी सवारियाँ! सभी सवारियाँ!

सैंकड़ों अस्त-व्यस्त पुरुषों, स्त्रियों और बच्चों ने आकाश को भर दिया। वे उस धूल भरी पुरानी लकड़ी की रेलगाड़ी में चढ़ गए। कोई भी बोला नहीं। ऐसा लगा मानो हम कोई मूक फिल्म देख रहे हों। "चलो कैसी," बे बे कूद कर रेलगाड़ी में चढ़ते हुए बोला। "चलो अपन भी सवार हो लेते हैं।"



आज़ादी पाने उत्तर भागो, या फिर मरो!



''रेलगाड़ी से उतरो बे बे, मैं ममा और डैडी को बता दूंगी। फिर तुम परेशानी में फंसोगे,'' मैं चीखी।

पर रेलगाड़ी तेज़ी से चल पड़ी और आकाश में ओझल हो गई। मुझे अब सिर्फ उसकी जलती-बुझती बत्तियाँ नज़र आ रही थीं, जो मानो बादलों के बीच से कोई धमकी भरा संदेश दे रही हों।

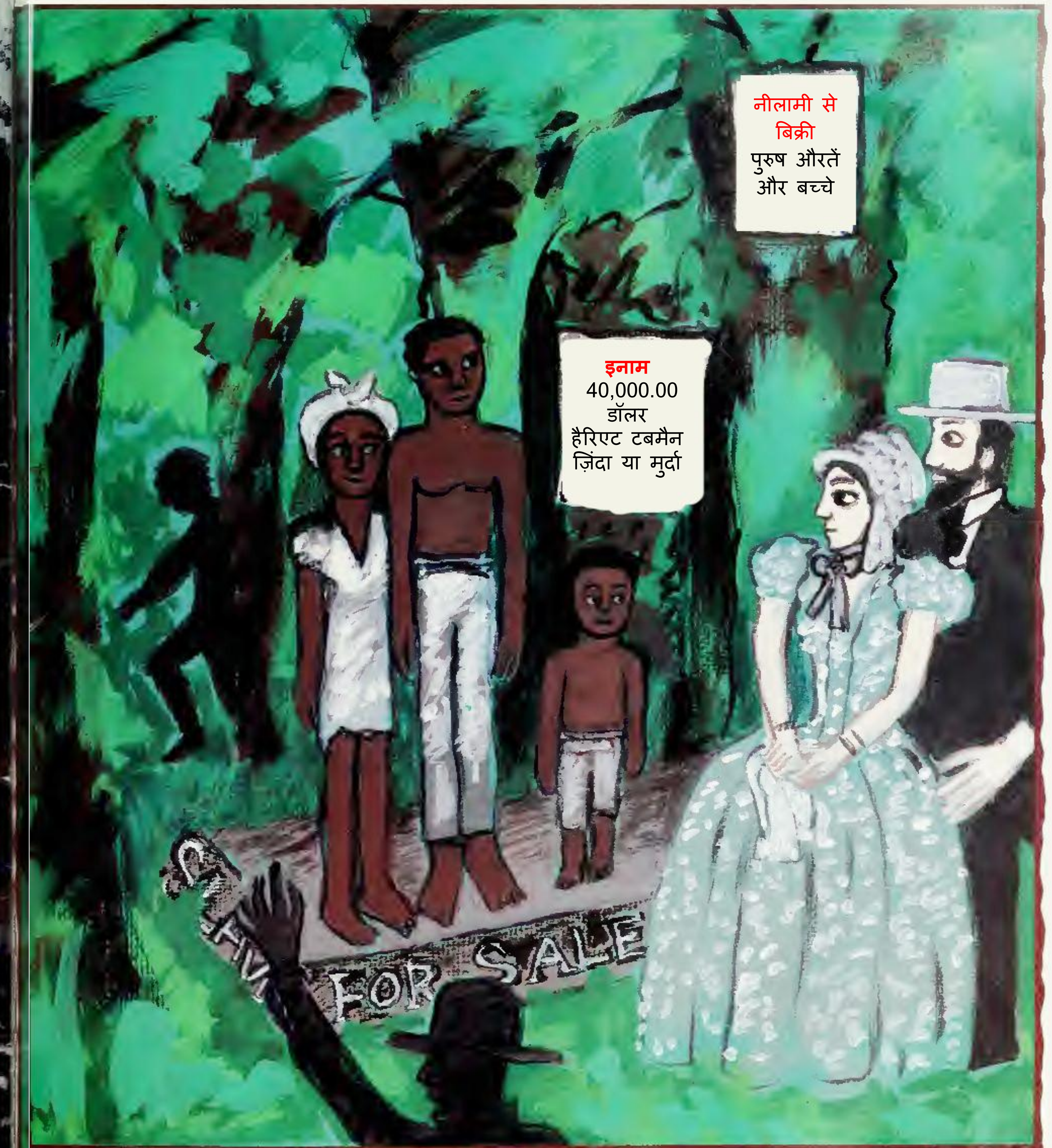
आज़ादी पाने उत्तर भागो, या मरो! आज़ादी पाने उत्तर भागो, या मरो! आज़ादी पाने उत्तर भागो, या मरो!



''बे बे वापस लौटो! ममा और डैडी तुम्हें जाने देने के लिए मुझे कभी माफ़ नहीं करेंगे!'' मैं चीखी। तब मुझे उस महिला कन्डक्टर की आवाज़ एक फुसफुसाहट के रूप में सुनाई दीः

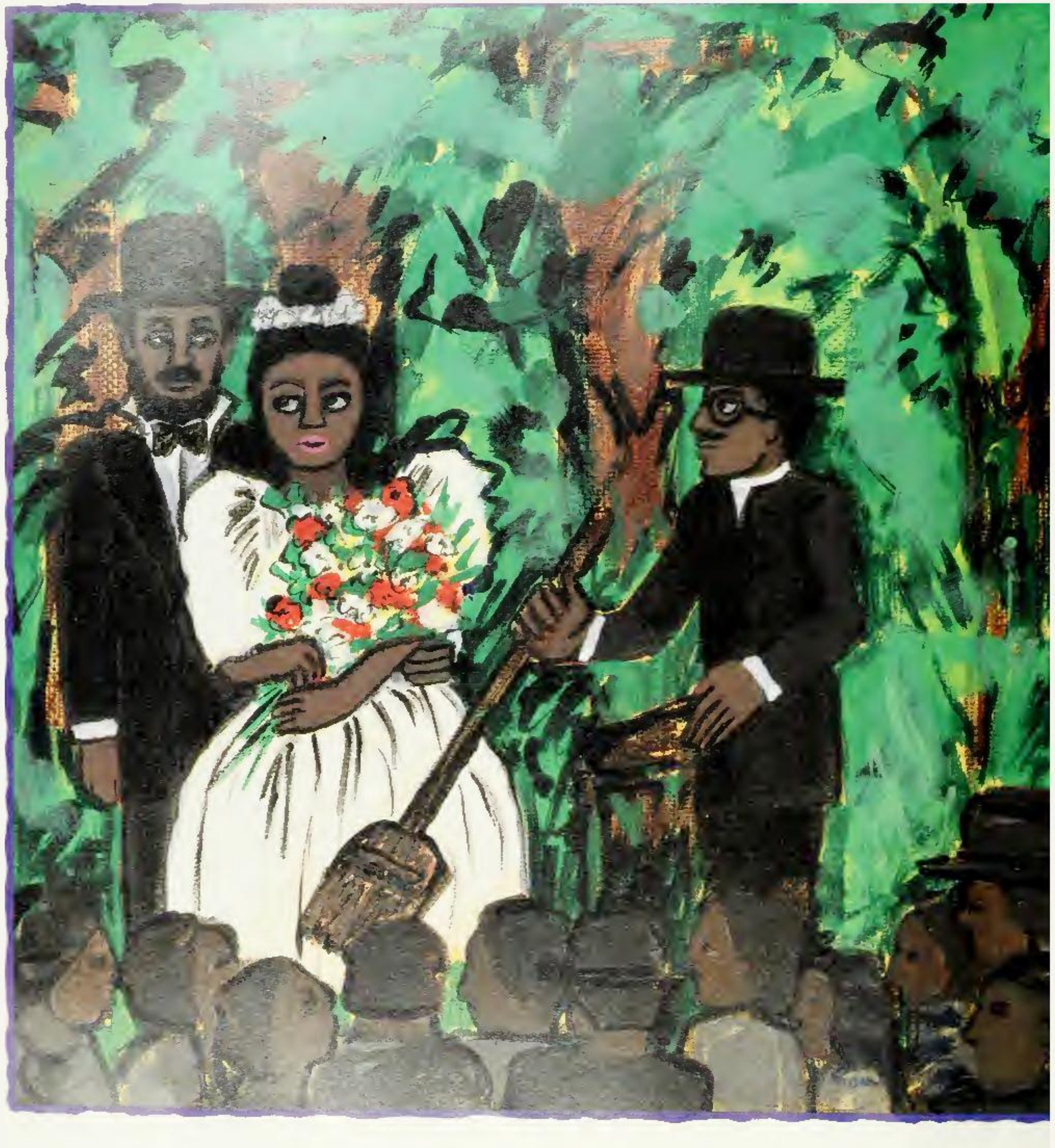
''हलो कैसी! मैं हैरिएट टबमैन हूँ। लोग मुझे हैरिएट मौसी (आंट) कहते हैं। इसलिए क्योंकि मैं उनकी परवाह करती हूँ। गुलामी के समय में मैं सैकड़ों, पुरुषों, औरतों और बच्चों को भूमिगत रेलमार्ग से आज़ाद कर सकी थीं, और मैंने कभी एक भी सवारी नहीं खोई थी।





"मैं तुम्हें गुलामी के बारे में बताती हूँ," हैरिएट मौसी ने कहा। "हमें अफ्रीका से अगुआ कर यहाँ गुलामों की तरह लाया गया था, ताकि हमसे बिना वेतन के घंटों-घंटों तक खेतों में काम करवाया जा सके। हममें से जितने यहाँ पहुँचे उससे कहीं ज़्यादा रास्ते में ही मर गए।

"अगर हम भागने की कोशिश करते और बदकिस्मती से पकड़े जाते तो हमारा पैर काटा जा सकता था। या हमें अपने परिवार से जुदा कर बेचा जा सकता था। तब हम अपने परिवार और दोस्तों को फिर कभी देख तक नहीं पाते।



"हमें कानूनन जायज़ या गिरजे में शादी करने तक की मनाही थी।
सो हम एक झाड़ू को लांघ शादी की रस्म पूरी करते थे।

गुलामों के लिए पढ़ना-लिखना सीखना गैर-कानूनी था।





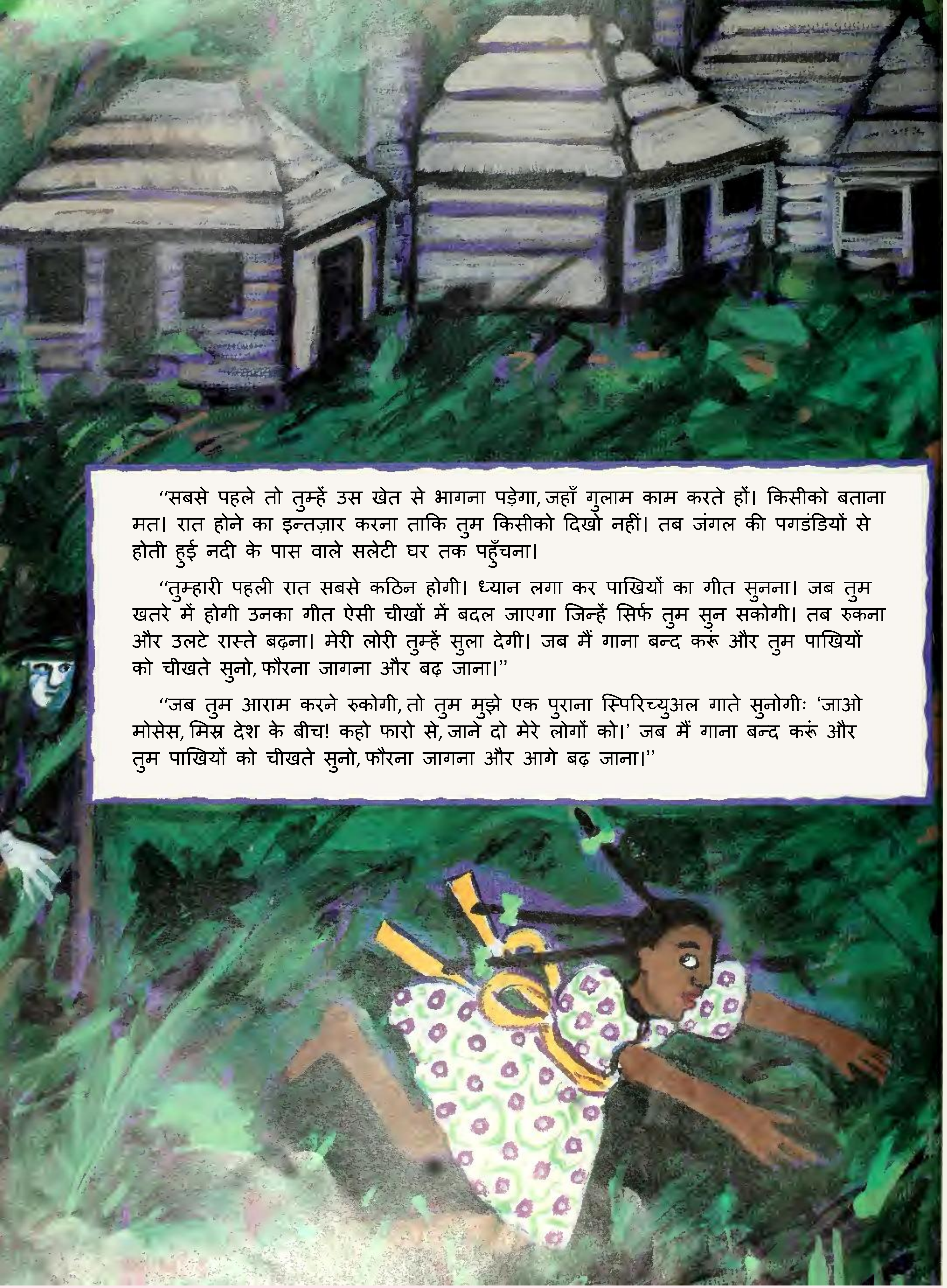
"बैठक करना, या खुदा के बारे में प्रवचन देना भी गैर-कानूनी था।

"हर सौ साल बाद यह पुरानी रेलगाड़ी, उसी रस्ते चलती है जो भूमिगत रेलमार्ग का था। ताकि हम आज़ादी की कीमत को न भूलें। कभी यह एक रेलगाड़ी, तो कभी किसान की घोड़गाड़ी होती है। कभी फूलों से सजी मुर्दागाड़ी, जिसके ताबूत में एक जिन्दा गुलाम होता है। तुम रेलगाड़ी चूक गई हो, पर तुम उसके एक स्टेशन पीछे चल सकती हो। जब हम कनाडा पहुँचेंगे, तुम बे बे से मिल सकोगी।

"कैसी, हालांकि तुम उड़ सकती हो, गुलामी तुम्हें दलदल की तरह नीचे खींच सकती है। तुम्हें मीलों तक छाले पड़े पैरों से जंगलों और पानी से गुज़रना पड़ सकता है। और तो और तुम्हारे पीछे भगोड़े गुलामों को धर-पकड़ने वाले लगे हो सकते हैं।



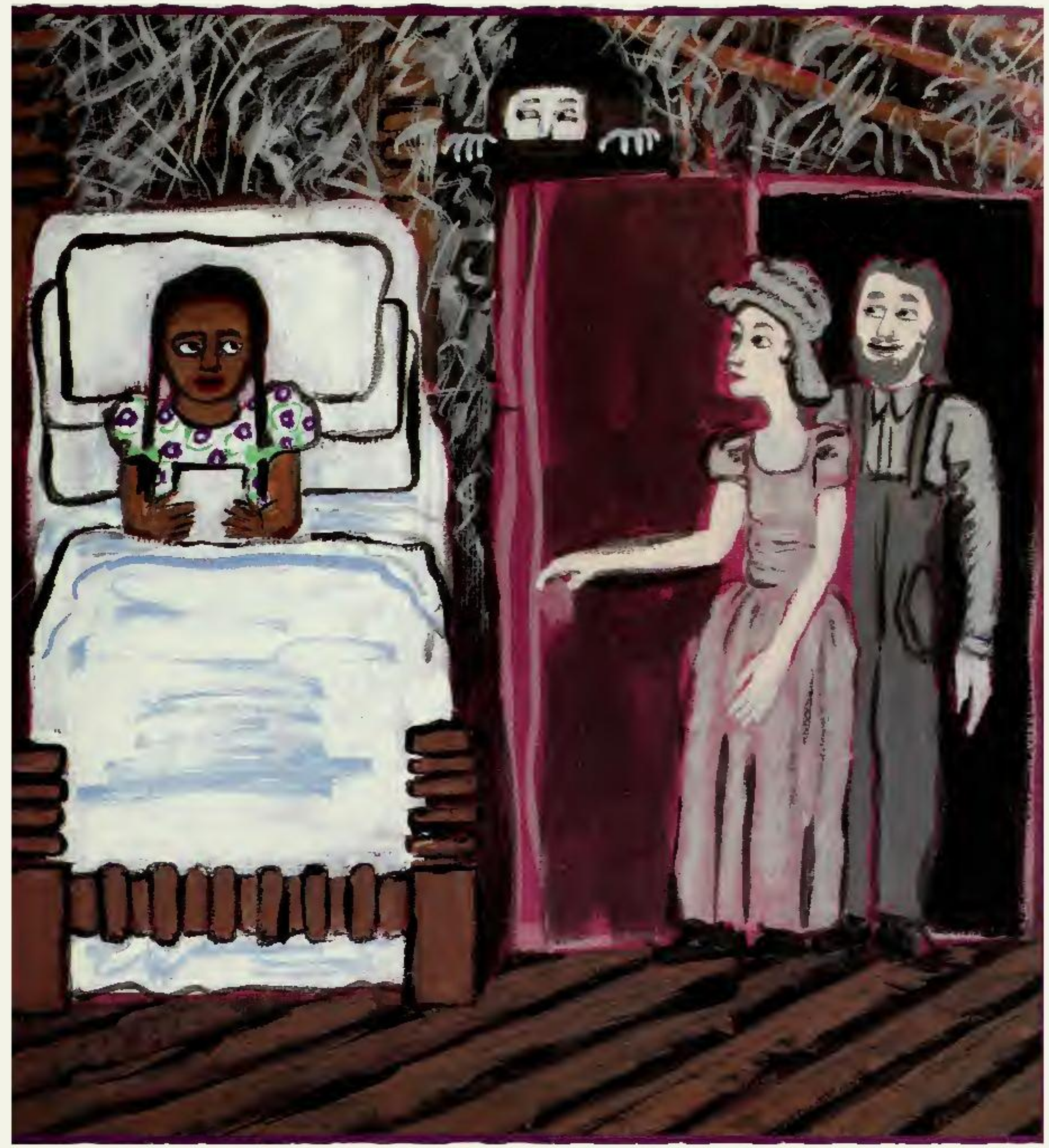
"ध्रुव तारे की दिशा में चलना। दिन में किसी ऐसे पेड़ को तलाशना जो उत्तर की ओर हो और जिसके गिर्द काई उगी हो। रास्ते में तुम्हें भूमिगत रेलगाड़ी के एजेंट मिलेंगे। वे तुम्हें ठहरने की जगह देंगे, साफ कपड़े और खाना देंगे। पर जब तक तुम कनाडा न पहुँच जाओ, तुम महफ़ूज़ नहीं होगी। किसी हालत में पीछे मत लौटना! याद रखनाः अगर तुम पकड़ी गई तुम्हें भारी सज़ा दी जाएगी।



"सबसे पहले तो तुम्हें उस खेत से भागना पड़ेगा, जहाँ गुलाम काम करते हों। किसीको बताना मत। रात होने का इन्तज़ार करना ताकि तुम किसीको दिखो नहीं। तब जंगल की पगडंडियों से होती हुई नदी के पास वाले सलेटी घर तक पहुँचना।

"तुम्हारी पहली रात सबसे कठिन होगी। ध्यान लगा कर पाखियों का गीत सुनना। जब तुम खतरे में होगी उनका गीत ऐसी चीखों में बदल जाएगा जिन्हें सिर्फ तुम सुन सकोगी। तब रुकना और उलटे रास्ते बढ़ना। मेरी लोरी तुम्हें सुला देगी। जब मैं गाना बन्द करूं और तुम पाखियों को चीखते सुनो, फौरना जागना और बढ़ जाना।"

"जब तुम आराम करने रुकोगी, तो तुम मुझे एक पुराना स्पिरिच्युअल गाते सुनोगीः 'जाओ मोसेस, मिस्र देश के बीच! कहो फारो से, जाने दो मेरे लोगों को।' जब मैं गाना बन्द करूं और तुम पाखियों को चीखते सुनो, फौरना जागना और आगे बढ़ जाना।"



मैं नदी के पास वाले खेतों के बीच बने सलेटी घर पहुँच गई। उस रात मैं किसान के घर की अटारी में सोई। वह अंधेरी और डरावनी जगह थी। छत से जाले ऐसे लटक रहे थे, मानो सलेटी भूत हों। पर किसान और उसकी बीवी बड़े मेहरबान थे। मेरे तकिए के नीचे एक कागज़ का टुकड़ा था। उस पर लिखा थाः

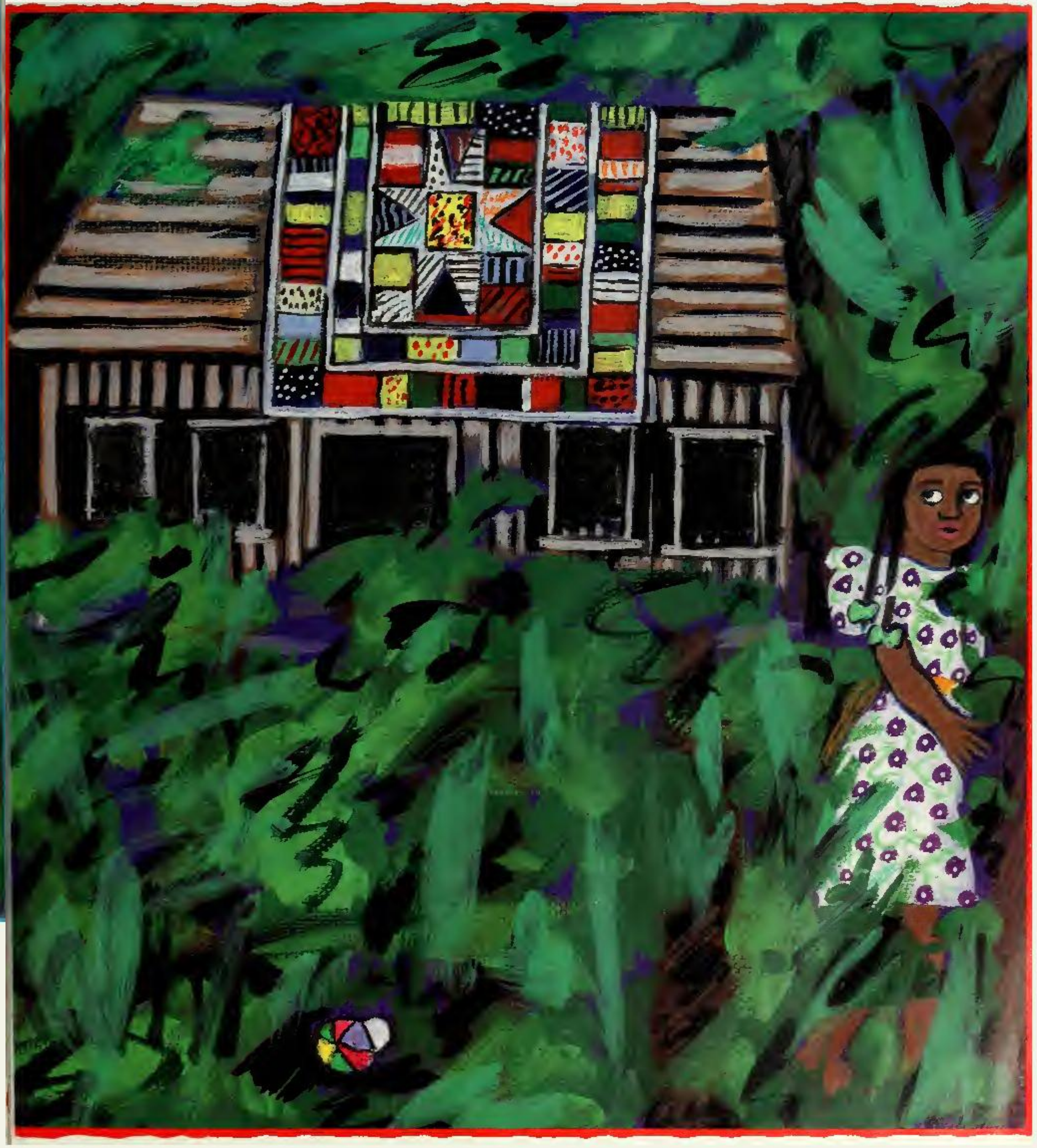
प्यारी कैसी, मैं बेहद डरा हुआ हूँ, पर मैं एक बड़ा लड़का हूँ। और मैं पलट कर वापस नहीं लौटूंगा, प्यार बे बे।

इतने में हैरिएट मौसी की आवाज़ हवा के एक झोंके-सी सुनाई दीः

मुझे बे बे की बेसबॉल वाली टोपी दलदल में तैरती मिली। मैंने उससे कीचड़ निचोड़ने की कोशिश की।

"टोपी वहीं छोड़ दो कैसी!" हैरिएट मौसी की आवाज़ फुसफुसाई। "आगे बढ़ो और उस घर तक पहुँचो जिसकी छत पर सितारे वाली रज़ाई फैली हो। अगर रज़ाई न दिखे, तो तब तक जंगल में छिपी रहना जब तक वह दिखाई न दे। वह दिखे तो समझ लेना कि वहाँ जाना सुरक्षित है। अगली रात कई मील दूर बने पुल तक पहुँचना।"





"नदी के उत्तर की ओर बढ़ो, जब तक तुम लकड़ी के फट्टों से बने घर तक न पहुँचो, जिसकी खिड़कियाँ हरी हों और चिमनी लाल ईंटों की। वहाँ एक अंधी रेलमार्ग एजेंट होगी, जो गाएगी, 'जाओ मोसेस, मिस्र देश के बीच! कहो फारो से, जाने दो मेरे लोगों को।' वह तुम्हें खाना और सोने की जगह देगी। पर रात होते ही तुम्हें फिर से जंगलों के बीच चल पड़ना होगा।"



मैं जंगलों और दलदलों को पार करती बढ़ी। मैं ठंड में ठिठुर रही थी और बेहद भूखी भी। पर वापस लौट नहीं सकती थी। जब मैं पुल तक पहुँची मैं नदी के सामने बने कब्रिस्तान में जा छिपी। वहीं मुझे बे बे का खिलौने वाला सैनिक और कार्ड मिले। मैं इस कदर डर गई कि रो तक नहीं सकी। मैं चुपचाप लेटी रही जब तक मुझे हैरिएट मौसी की फुसफुसाहट न सुनाई दी।

''उस एजेंट का इन्तज़ार करो जो कब्र खोदने वाले के भेस में आएगा। वह कहेगाः ''मैं तुम्हारे लिए रेलगाड़ी का टिकट लाया हूँ।''

यह सुन मेरे गालों पर आँसू बारिश की तरह झर आए। मैं जल्द ही बे बे से मिलूंगी . . . जल्द ही . . . जल्द ही।

शहर के किनारे एक पीले घर में मेरी ही उम्र की एक छोटी बच्ची ने मुझे भापगाड़ी की एक टिकट दी। उसने मेरे लिए आज़ादी का एक नकली पास बना रखा था, जिसे उसने मेरी शमीज़ पर सी दिया। उस पर लिखा थाः 'कैसी लूइस लाइटफुट, न्यू यॉर्क में आज़ाद पैदाइश।'

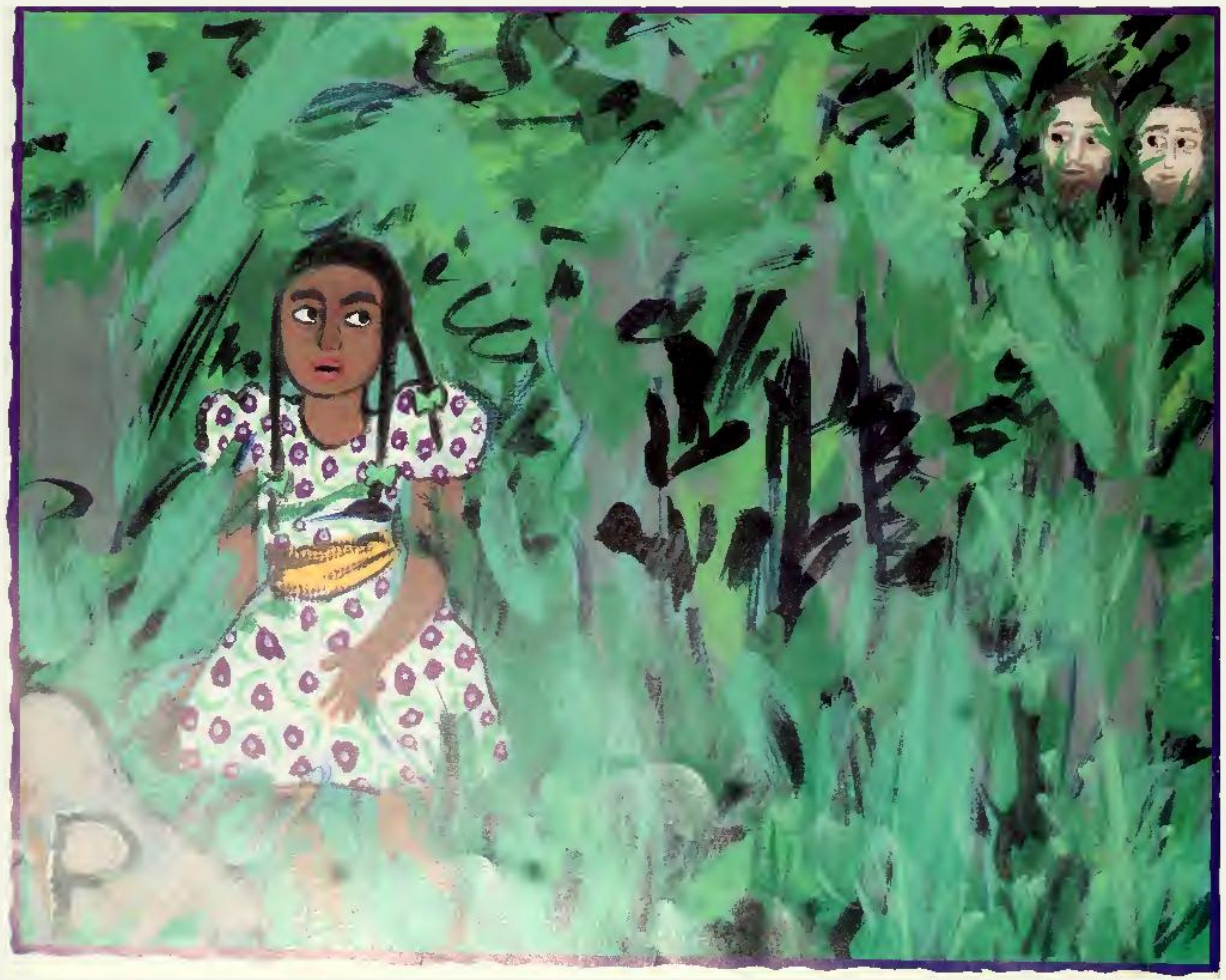
''जो भी तुम्हें गुलामों के खेत ले जाना चाहे, उसे यह दिखाना,'' उसने कहा।

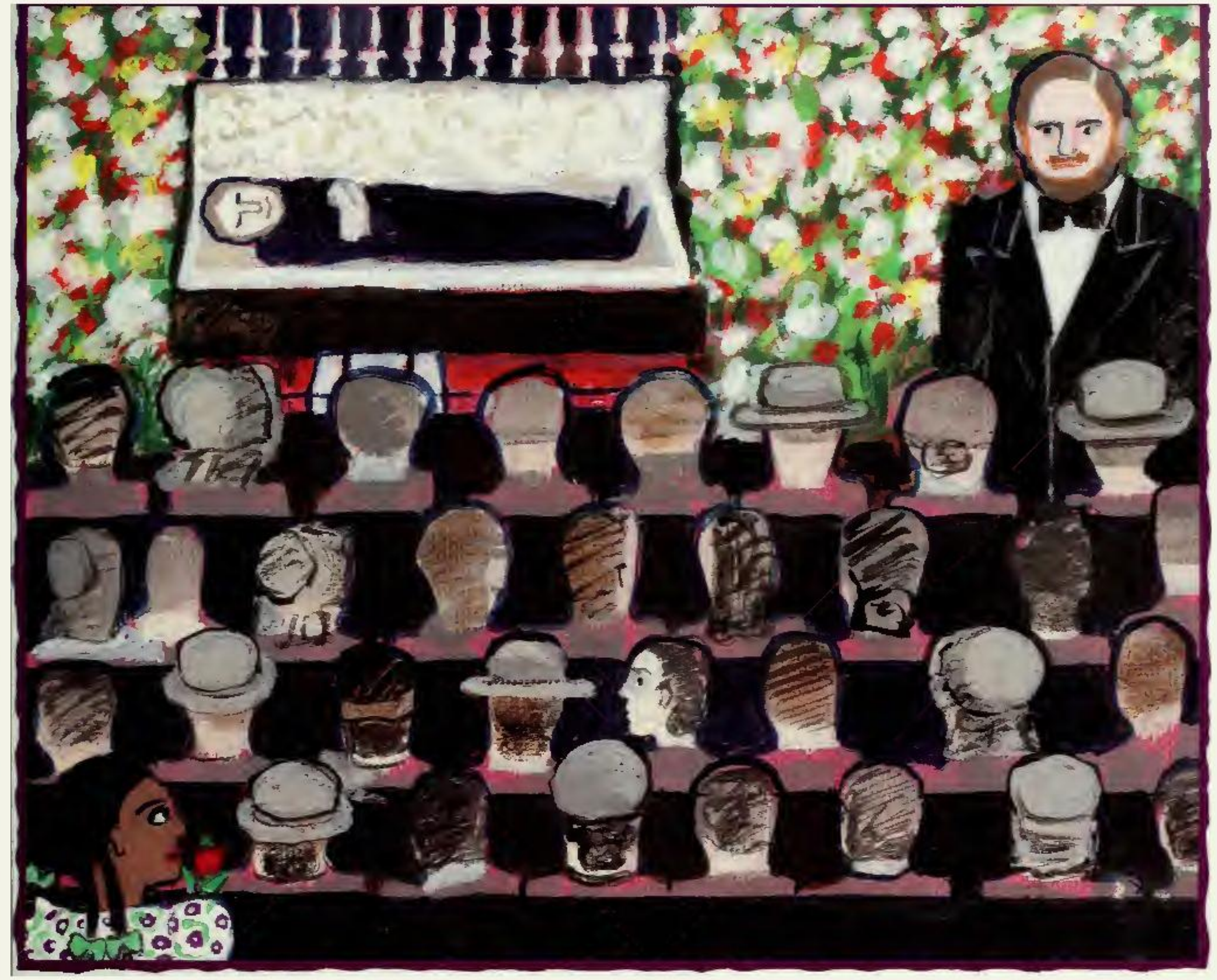


मैंने जूते गांठने वाले के पिछले दरवाज़े पर पहुँच तीन दस्तक दी। इस बार मैं एक क़िताबों की अल्मारी के पीछे बने एक खुफिया कमरे में सोई। बे बे वहाँ भी ठहर चुका था। मुझे उसकी एक और चिट्ठी मिली।

प्यारी कैसी, मेरी अब एक नई छोटी बहन है। उसका नाम आज़ादी है। उसकी माँ बीमार हो जन्नत चली गई है। उसने जाने से पहले नन्ही आज़ादी को मेरी पीठ पर बांध कर ले जाने दिया। प्यार बे बे

कुछ दिनों के आराम के बाद मैं फिर आगे बढ़ी। अपने नए जूते पहन, जो मेरे मेज़बान ने मेरे लिए बनाए थे। "चलो, आगे बढ़ो कैसी," हैरिएट मौसी की आवाज़ ने कहा। "तुम आज़ाद राज्य पैन्सिलवेनिया की सरहद के पास हो। उत्तर दिशा की ओर जिस चट्टान पर 'पी' अक्षर लिखा हो उसे तलाशना। पर भगोडे गुलामों को धर-पकड़ने वाले तुम्हें भी अगुआ कर सकते हैं। सो संभल कर बढ़ना। जब तक तुम कनाडा नहीं पहुँच जातीं, तुम महफ़ूज़ नहीं हो।"





न्यू यॉर्क में एक ज़िल्दसाज़ ने मुझे अपनी गाड़ी में बनी एक खुफिया जगह छिपाया। भारी बरसात के बीच उसने मुझे एक शवशाला में पहुँचा दिया। वहाँ एक अंतिम संस्कार चल रहा था, इसलिए किसीने मुझ पर ग़ौर नहीं किया। शवशाला के मालिक ने मुझे एक मुरझाया गुलाब दिया जो बे बे मेरे लिए एक चिट्ठी के साथ छोड़ गया था।

प्यारी कैसी, हम एक लखपति के घर ठहरे।

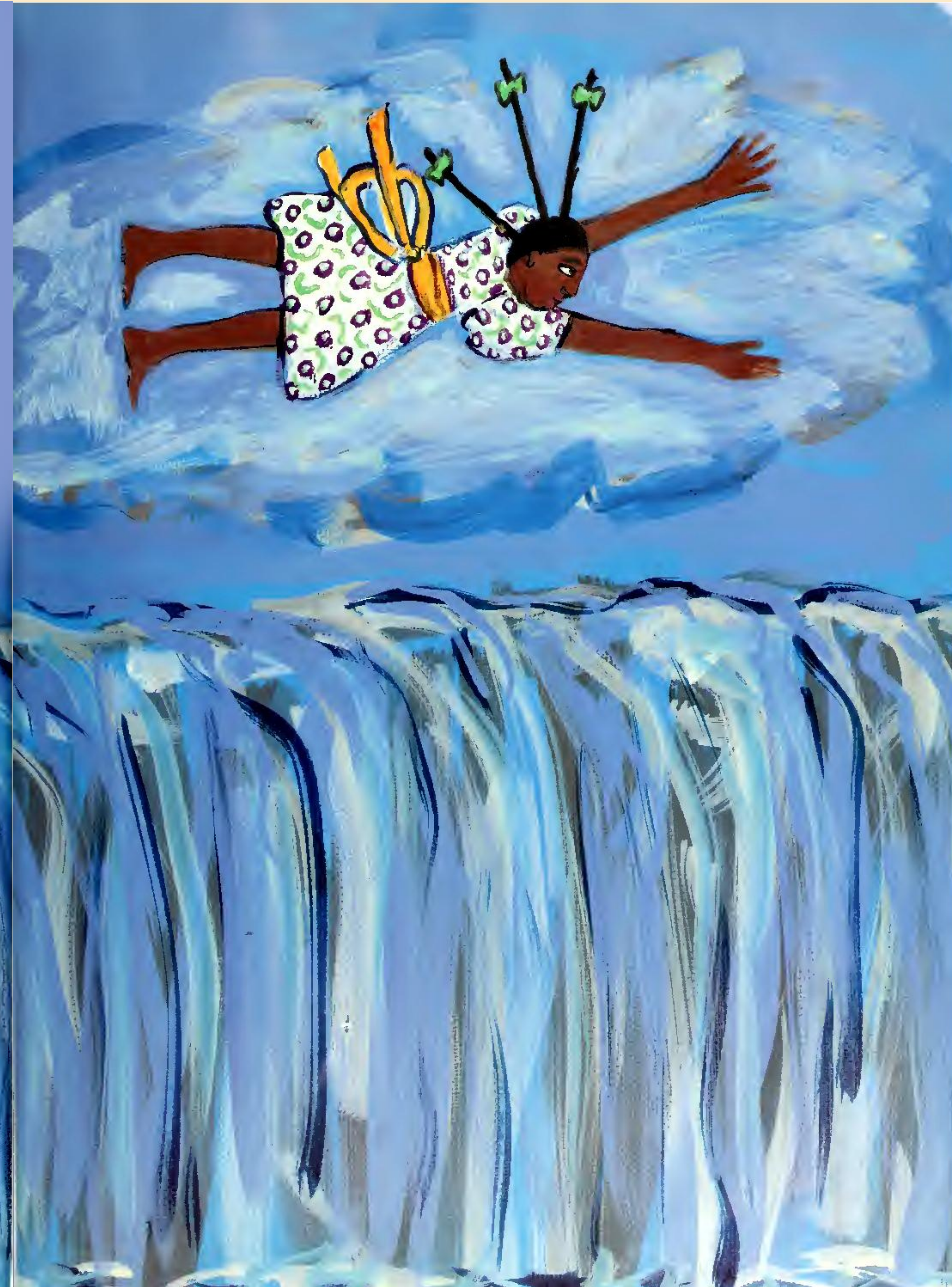
उसने हैरिएट मौसी को काफी सारे पैसे दिए।

अब हम कभी भूखे नहीं रहेंगे। प्यार बे बे

शवशाला के मालिक ने मुझे एक ताज़ा गुलाब दिया और एक ताबूत में मुझे छिपा अपनी मुर्दागाड़ी से नियाग्रा फ़ॉल्स तक छोड़ आया। अब मैं कनाडा के पुल के ऊपर थी।

नियाग्रा फ़ॉल्स एक विशाल चाय पार्टी सा लग रहा था, जिससे मानो अरबों कप चाय तालियों की गड़गड़ाहट के बीच गिर रही हो। झरने से उठती भाप ने मुझे एक नरम कम्बल की तरह लपेट कर ऊपर उठाया, ऊपर, और ऊपर, और-और ऊपर। कनाडा के पुल के उस पार। मैं उड़ रही थी। मैं आज़ाद थी।





मैं अब भूमिगत रेलगाड़ी में हैरिएट मौसी और बे बे को देख पा रही थी। बे बे की पीठ पर नन्ही आज़ादी बंधी हुई थी। सफेद कपड़ों में कई स्त्रियाँ उनके गिर्द एक गोल घेरा बनाए थीं।

"आज़ाद हैं हम! हमने शेर से पंजा मिला लिया है!" हैरिएट मौसी ऐसी आवाज़ में चीखीं जो हवा में खुशी की बिजली सी कड़क गई।

"जाओ मोसेस!" बे बे बोला।

"जाने दो मेरे लोगों को!" बाकी सभी ने कहा।





मैंने बे बे को बारबार चूमा। उससे वादा करवाया कि वह मुझे कभी छोड़ कर नहीं जाएगा।

"मैं तुम्हें प्यार करता हूँ कैसी, पर मुझे जाना ही था," बे बे बोला। "साथ रहने से कहीं ज़्यादा ज़रूरी आज़ादी है। और फिर मैं हैरिएट टबमैन की रेलगाड़ी में सवारी भी तो कर सका। और मैंने अब जान लिया है कि हमारे पर दादा/दादी अपने बचपन में किस तरह बच पाए थे।"



उस दिन एक बड़ा जश्न मना। हैरिएट टबमैन के आज़ादी के लिए फरार होने की शताब्दी की एक बड़ी-सी रज़ाई आकाश में लटकी थी। लोग खाने-पीने, नाचने और हैरिएट मौसी की प्रशंसा करने आए थे। क्योंकि वे ही तो उन्हें गुलामी से आज़ादी को ले गई थीं। वे अपने लोगों की मोसेस बनी थीं।



हैरिएट टबमैन पैदाइश गुलाम थीं, जिनका जन्म बकटाउन, मेरीलैण्ड में लगभग 1820 में हुआ था।

उनके पिता ने उन्हें शिकार करना, तैरना, चिड़ियों की बोलियों की नकल करना, और जंगलों में अपनी हिफ़ाज़त करना सिखाया था। अपनी माँ से उन्होंने बीमारी में तीमारदारी करना और दवाओं के रूप में जड़ी-बूटियों का इस्तमाल करना सीखा था। हालांकि हैरिएट पढ़ी-लिखी नहीं थीं बचे रहने के इन बुनियादी कौशलों के चलते वे 19 बार में 300 से अधिक गुलामों को भूमिगत रेलमार्ग से बचा सकीं थीं, बिना एक भी सवारी को खोए!

भूमिगत रेलमार्ग दरअसल लोगों और छिपने की जगहों का संजाल था। इस रास्ते से बच भागे गुलामों के वर्णन 1787 से ही मिलते हैं। हैरिएट टबमैन खुद 1849 में उस क्वेकर महिला की मदद से निकल भागी थीं, जो उन्हें अपने मालिक के खेतों के पास मिली थी। उस महिला ने हैरिएट को एक जर्मन किसान और उसकी पत्नी के घर भेजा था। उनकी और उन जैसे अनेक कन्डक्टरों की मदद से हैरिएट कनाडा पहुँचीं और आज़ाद हो सकीं। पर जल्द ही वे खुद एक कन्डक्टर बन कर लौटीं और दूसरे गलामों को पैन्सिलवेनिया, न्यू जर्सी, न्यू यॉर्क होते हुए कनाडा ले गईं। ये वे राज्य थे जिनकी सरकारें गुलामों को उनके मालिकों को लौटाने से इन्कार करते थे। हैरिएट इन यात्राओं को अधिकतर रात में करती थीं, वे लोगों को अपना सुराग देने के लिए गीत गाती थीं, और खुद के बचाव के लिए एक बन्दूक रखती थीं। गुलामों का व्यापार करने वालों ने हैरिएट को पकड़ने वाले को 10,000 से लेकर 40,000 डॉलर तक के इनाम देने का ऐलान किया था।

जब हैरिएट छोटी ही थीं, गलामों के एक निरीक्षक ने उसे एक भारी माप दे मारा था।

इस चोट ने उनके जीवन पर असर डाला। वे जब-तब बेहोश हो जाया करती थीं। यह बेहोशी कुछ पलों से लेकर कई घंटों तक की हो सकती थी। इस विचित्र रोग ने उन्हें आजीवन सताया, पर इसने न उनके साहस को तोड़ा, न अनेकों बार गुलामों को आज़ादी तक पहुँचाने की मुहिम में बाध डाली।

जब वे बेहद बीमार थीं और मौत के क़रीब थीं उन्होंने एक अजीब सपना देखा जिसमें वे आज़ादी की ओर उड़ रहीं थीं। मैंने *आंट हैरिएटस् अन्डरग्राउन्ड रेलरोड इन द स्काय* में इस सपने को शामिल किया है। साथ ही गुलामों के उस रिवाज़ को भी जिसमें वे खुशकिस्मती लाने के लिए अपनी छत पर रज़ाई डाला करते थे। इसलिए क्योंकि वह दूर से नज़र आ सकती थी। जिस रास्ते हैरिएट टबमैन अपनी सवारियों को आज़ादी तक पहुँचाया करती थीं, वह इस क़िताब का ढांचा है। मैंने कुछ असली ‘स्टॉपों’ या ‘स्टेशनों’ का उपयोग किया है, पर असली लोगों या कन्डक्टरों का नहीं।

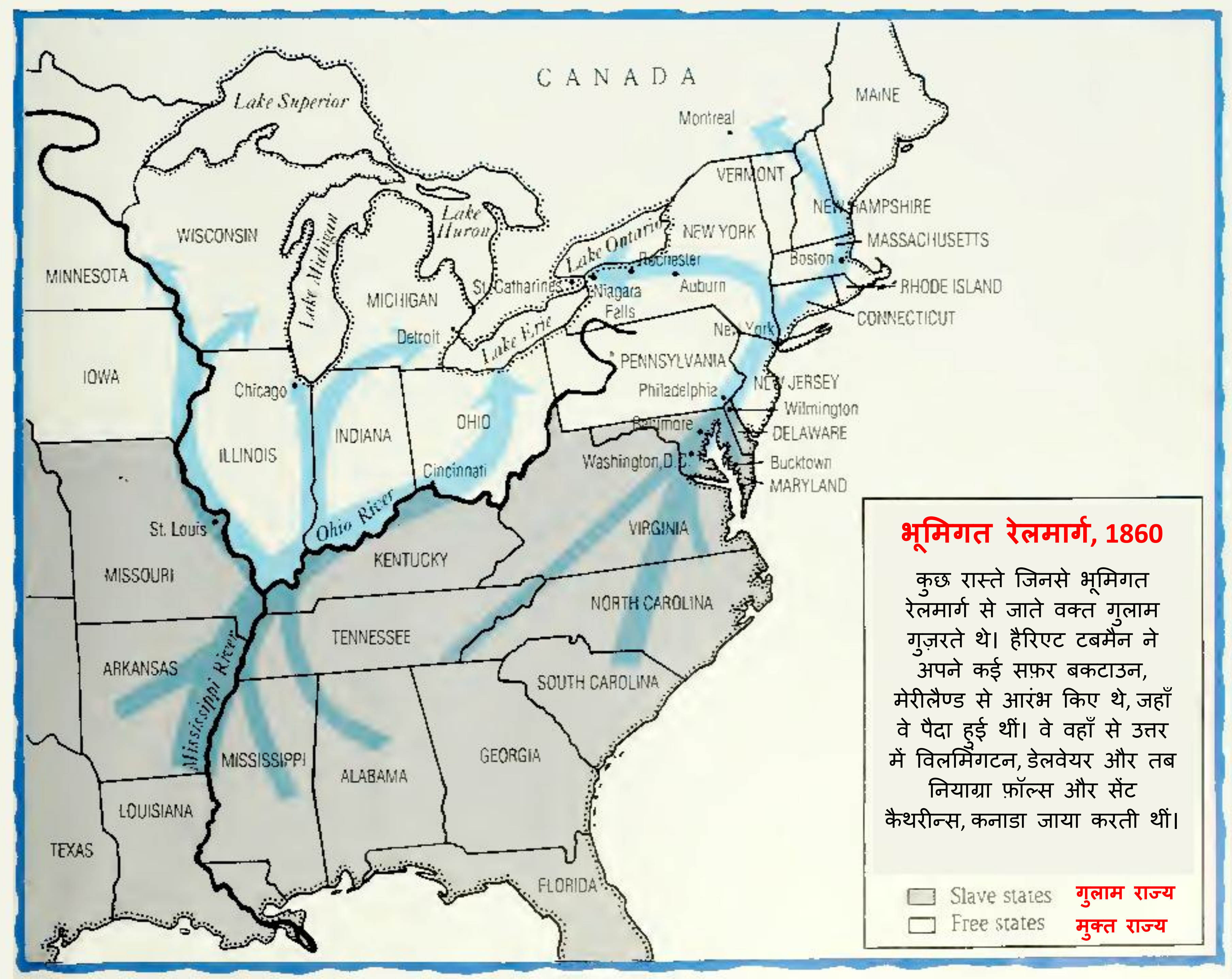
असली कन्डक्टर अक्सर गोरे हमदर्द, आज़ाद नीग्रो, और भगोड़े गुलाम थे, जिनमें कई स्त्रियाँ थी। वे हर धर्म को, या किसी भी धर्म को न मानने वाले लोग थे। कुछ महत्वपूर्ण कन्डक्टर थे जॉन फेयरफील्ड, जो वर्जीनिया के गुलामों के मालिक के परिवार से थे; क्वेकर थॉमस गैरेट, जो विलमिंगटन, डेलवेयर में एक स्टेशन चलाते थे, जहाँ सभी भगोड़ों को यथा-संभव सुविधाएं दी जाती थीं; विलियम स्टिल कोयले के व्यापारी थे, जो पैन्सिलवेनिया में आज़ाद पैदा हुए थे; न्यू यॉर्क के गैरेट स्मिथ, एक लखपति परोपकारी थे; स्टीफन मेयर्स एक नीग्रो पुस्तक प्रकाशक थे और सभी भगोड़े गुलामों का लेखाजोखा रखते थे; तथा रेवरेण्ड जे.डब्ल्यू. लोग्वैन, जो स्वयं एक भगोड़े गुलाम थे।

पश्चिम की ओर जाने वाला जो रास्ता सिनसिनाटी, ओहायो से जाता था, वहाँ लेवाई कॉफिन ने, जो क्वेकर थे, 3,000 गुलामों को आज़ादी तक पहुँचाने में मदद की थी। जब भगोड़े रॉचैस्टर, न्यू यॉर्क की सरहद पर पहुँचते सूज़न बी. एन्थनी व फ्रैडरिक डगलस, जो खुद भी 1838 में बच भागे थे, उनको कनाडा तक, जिसे ‘प्रामिस्ड लैण्ड’ (जिस देश का वादा किया गया हो) कहा जाता था, पहुँचने में मदद करते।

नागरिक युद्ध के दौरान हैरिएट टबमैन ने नर्स, जासूस, तथा संघीय सेना में खुफिया कार्यवाही के कमाण्डर के रूप में काम किया। वे इस मायने में अनूठी थीं कि उनके नेतृत्व में गोरे और काले सैनिकों ने काम किया, और वे कभी पकड़ी नहीं गईं। इस सेवा के बावजूद उन्हें युद्ध पेशन नहीं दी गई। हालांकि 1888 में उनके पति नैल्सन डेविस की मृत्यू के बाद उन्हें विधवा पेंशन दी गई।

हैरिएट की आत्मकथा *सीन्स इन लाइफ ऑफ हैरिएट टबमैन* को उन्होंने सारा ब्रैडफर्ड को बोल कर लिखवाई थी। इसका प्रकाशन 1869 में हुआ था। इसका संशोधित संस्करण *हैरिएटः मोसेस आफॅ हर पीपल* 1886 में प्रकाशित की गई। हैरिएट के दरवाज़े ज़रूरतमन्दों के लिए हमेशा खुले रहे। उनकी मृत्यु 10 मार्च 1913 में न्यू यॉर्क में हुई। उनका अंतिम संस्कार पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ किया गया।

- फेथ रिंग्गोल्ड






517-58768-8